दो दिन में किसानों को छह करोड़ 37 लाख का भुगतान

7 हजार किसानों से खरीदा 3 लाख 6 हजार 190 क्विंटल गेहूं

- किसानों को गेहूं बेचने के लिए इंतजार नहीं करना पड़े

भोपाल 12 अप्रैल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी जारी है. जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय खरीदी केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को खरीदी केन्द्रों पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाये.

उन्हें गेहूँ बेचने के लिये इंतजार नहीं करना पड़े. न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 7 हज़ार से अधिक किसानों से 3 लाख 6 हजार 190 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है. दो दिन में किसानों को 6 करोड़ 37 लाख रुपए का भुगतान भी उनके बैंक खाते में किया जा चुका है. गेहूँ का उपार्जन इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 9 अप्रैल से शुरू हो चुका है. उन्होंने बताया कि शेष संभागों में 15 अप्रैल से गेहूँ का उपार्जन शुरू किया जायेगा. अभी तक एक लाख 90 हजार 261 किसानों द्वारा 85 लाख 12 हजार 830 क्विंटल गेहूँ के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं. गेहूँ खरीदी के लिये 3171 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं. गेहूं की खरीदी कार्यालयीन दिवसों में होती है.

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में गेहूँ उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है. विगत वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया था. इस वर्ष युद्ध की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद किसानों के हित में सरकार द्वारा 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है, जो कि पिछले वर्ष से एक लाख मीट्रिक टन अधिक है.

किसानों के लिये गेहूं बिक्री की सभी सुविधाएं

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि जिन जिलों में गेहूँ उपार्जन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, वहाँ गेहूं विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. उपार्जन केन्द्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है. केंद्र में बारदाने ,तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं. खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है. गेहूँ के उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है. उपार्जित गेहूँ को रखने के लिये जूट बारदानों के साथ ही पीपी/एचडीपी बैग एवं जूट के भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है.

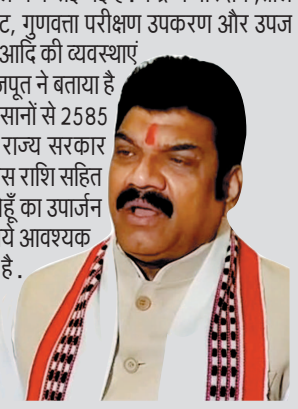

विजयवर्गीय ने बंगाल नहीं जाने की बताई वजह

रतलाम. मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अपने रतलाम दौरे पर मीडिया से रूबरू हुए. इस दौरान पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया.

बंगाल जाने को लेकर पूछे गए प्रश्न पर विजयवर्गीय ने स्पष्ट कहा कि उनके खिलाफ पश्चिम बंगाल में 38 झूठे मुकदमे दर्ज हैं और उनके गिरफ्तारी वारंट भी जारी हैं. ऐसी स्थिति में उनके बंगाल जाने पर गिरफ्तारी की संभावना थी, जिसके चलते उन्होंने इस बार वहां नहीं जाने का निर्णय लिया. उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी को बंगाल में इस बार बहुमत मिलने के पूरे आसार हैं और पार्टी मजबूत स्थिति में है.

प्रदेश में औसतन 4 डिग्री तक चढ़ा पारा

सबसे गरम रहा रतलाम 40 डिग्री पार तापमान

भोपाल , 12 अप्रैल. मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट लेते हुए ठंड और बारिश के दौर को पीछे छोड़ दिया है और अब प्रदेश तेज गर्मी की चपेट में आ गया है. राजधानी भोपाल सहित कई शहरों में तापमान में औसतन 4 डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि कुछ स्थानों पर यह वृद्धि 5 से 6 डिग्री तक पहुंच गई है.

मौसम विभाग के अनुसार इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग इस समय सबसे ज्यादा गर्मी का सामना कर रहे हैं. प्रदेश के कई शहरों में तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच चुका है. रतलाम सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसके अलावा भोपाल में 36.8 डिग्री, इंदौर में 37.6 डिग्री, जबलपुर में 36.6 डिग्री और ग्वालियर में 35.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया. अन्य शहरों की बात करें तो नर्मदापुरम में 39.4 डिग्री, धार में 39.2 डिग्री, खरगोन में 39 डिग्री, गुना में 38 डिग्री और उज्जैन में 38 डिग्री तापमान दर्ज किया गया.

> मौसम विभाग का अनुमान है कि 15 अप्रैल से एक नया मौसम सिस्टम सक्रिय होगा, लेकिन इसका असर कमजोर रहेगा. ऐसे में प्रदेश में गर्मी और तेज होने के संकेत हैं, खासकर अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में लू जैसे हालात बन सकते हैं. गर्मी से बचने के लिए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है. दिनभर पर्याप्त पानी पीना, दोपहर की तेज धूप से बचना, हल्के रंग के सूती कपड़े पहनना और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है.

आशा भोसले का इंदौर से रहा गहरा नाता

मुंबई में 92 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

20 से अधिक भाषाओं में 12 हजार से ज्यादा गाए गीत

- इंदौर में बिताए बचपन की यादें रहीं खास
- छावनी मुराई मोहल्ले से जुड़ा रहा बचपन

नव भारत न्यूज

इंदौर, 12 अप्रैल. भारतीय संगीत जगत की दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया. शनिवार शाम उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

उन्होंने रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली. उनके निधन से संगीत जगत में शोक की लहर है. उनका इंदौर से खास नाता रहा. इंदौर में रहने वाले रिश्तेदार मनोज बिनवाले ने बताया कि आशा भोसले का इंदौर से लगाव उनकी बहन लता मंगेशकर से भी अधिक था. कम उम्र में विवाह और मुंबई शिफ्ट होने के कारण वे लंबे समय तक इंदौर में नहीं रह सकीं, लेकिन शहर के नमकीन, सराफा के मिष्ठान और शरबती गेहूं की रोटियों को वे हमेशा याद करती रहीं. शहर में रह रहे परिवार से जुड़े लोगों ने बताया कि, उन्हें इंदौर के खानपान से विशेष लगाव था. साथ ही सराफा बाजार की गुलाब जामुन, रबड़ी और दही बड़े उनके पसंदीदा व्यंजनों में शामिल रहे. बताया गया है कि बचपन में वे सराफा चौपाटी तक जाया करती थीं. उनका बचपन इंदौर की छावनी क्षेत्र स्थित मुराई मोहल्ले में बीता, जहां की यादें वे अक्सर साझा करती थीं. करीब 17 वर्ष पहले इंदौर यात्रा के दौरान वे शहर के एक होटल में ठहरी थीं, जहां उन्होंने परिजनों से घर का बना भोजन मंगवाया था. परिवार के सदस्यों के अनुसार, वे नए नए व्यंजन बनाने की भी शौकीन थीं. रिश्तेदारों का यह भी कहना है कि बचपन में आशा भोसले अपनी बहनों लता दीदी और मंगेशकर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ छावनी क्षेत्र से तोपखाना तक करीब ढाई किलोमीटर पैदल चलकर भोजन करने जाया करती थीं.

मंत्री ने जताया शोक...

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आशा भोसले की आवाज ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और इंदौर से उनका जुड़ाव शहर के लिए गर्व का विषय रहा. अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने 20 से अधिक भाषाओं में 12 हजार से अधिक गीत गाए. पिया तू अब तो आजा, दम मारो दम, चुरा लिया है तुमने और इन आंखों की मस्ती जैसे गीतों से उन्होंने संगीत जगत में अमिट पहचान बनाई. वे ओपी नैयर, आरडी. बर्मन के अलावा एआर रहमान जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ जुड़ी रहीं.

30 करोड़ श्रद्धालु के स्वागत की तैयारी, महाकाल नगरी में विकास की बारी

- सिंहस्थ की तैयारी तेज, अफसरों ने झोंकी पूरी ताकत
- 29 किमी घाट, बेहतर ट्रैफिक और पार्किंग
- संतों से श्रद्धालुओं तक-हर व्यवस्था पर प्रशासन का फोकस

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ 2028 को लेकर उज्जैन में अभूतपूर्व तैयारियां तेज़ी से जारी हैं. देश-विदेश से आने वाले अनुमानित 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है. संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह लगातार मैदानी स्तर पर सुबह से ही निकल पड़ते हैं, और देर रात तक जुटे रहते हैं. कुल मिलाकर महाकाल की नगरी में बड़े पैमाने पर विकास की बयार बह निकली है.

शहर के हर हिस्से में व्यापक स्तर पर विकास, व्यवस्थाओं और सुविधाओं का विस्तार दिखाई दे रहा है. सिंहस्थ को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सरकार और प्रशासन का मुख्य फोकस श्रद्धालुओं की सुविधा, संतों की व्यवस्था और सुगम यातायात पर केंद्रित है.

त्रिवेणी घाट से शुरुआत- रविवार को भी सुबह 7 बजे से दोनों अधिकारी निकल पड़े, सबसे पहले त्रिवेणी स्थित श्री शनि मंदिर के पास शिप्रा नदी पर निर्माणाधीन नवीन घाटों की निर्माण प्रक्रिया समझी. इस दौरान उन्होंने मातहतों को स्पष्ट कहा कि

श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं.

स्नान क्षमता का प्लान - सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए शिप्रा नदी पर लगभग 29 किलोमीटर लंबे नए घाटों का निर्माण किया जा रहा है. त्रिवेणी क्षेत्र में डेढ़ किलोमीटर लंबे घाट निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों ने गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए. यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि घाटों पर एक समय में अधिकतम संख्या में श्रद्धालु सुरक्षित रूप से स्नान कर सकें. इसके लिए प्रति घंटे स्नान क्षमता का आकलन कर विशेष प्लान तैयार किया जा रहा है.

अब पार्किंग पर फोकस- श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने पार्किंग और यातायात की विस्तृत योजना तैयार करना शुरू कर दिया है. इंदौर-देवास से आने वाले लाखों वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल निर्धारित किए जा रहे हैं. वहां से घाटों तक पहुंचने के लिए सुगम मार्ग तैयार किए जाएंगे, ताकि भीड़भाड़ और अव्यवस्था की स्थिति न बने. संभागायुक्त आशीष सिंह ने ट्रैफिक अधिकारियों के साथ चर्चा कर कहा कि पहले पार्किंग और मार्ग तय किए जाएं, उसके बाद ही घाटों पर संरचनाएं विकसित की जाएं.

> ### दिव्य अनुभव होगा
>
> स्पष्ट है कि प्रशासन की सघन मॉनिटरिंग और मजबूत प्लानिंग के चलते सिंहस्थ 2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और दिव्य अनुभव मिलेगा, और उज्जैन एक बार फिर दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजनों में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा.

संतों और अखाड़ों पर ध्यान- संतों और अखाड़ों की सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है. उज्जैन के अधिकारी सिंहस्थ में आने वाले संतों के लिए अलग से व्यवस्थाएं विकसित करने में जुटे हैं, जिससे वे अपने धार्मिक अनुष्ठान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कर सकें. प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि संत समाज को आवास, आवागमन और अन्य आवश्यक सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हों.

बारिश से पहले निपटे काम- अफसरों ने वीआईपी घाटों की स्थिति भी देखी, और भविष्य में बढ़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए भीड़ प्रबंधन और ट्रैफिक कंट्रोल की दीर्घकालीन योजना बनाने पर जोर दिया, अधिकारियों को दो टूक कहा गया है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और बारिश से पहले सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएं.

तेजी से बदल रहा उज्जैन - उज्जैन अब तेजी से बदल रहा है. सिंहस्थ 2028 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि शहर के व्यापक विकास का अवसर बन चुका है. आधुनिक सुविधाएं, बेहतर सड़कें, सुव्यवस्थित घाट और उन्नत यातायात व्यवस्था उज्जैन को एक नए स्वरूप में प्रस्तुत कर रही हैं.

आशा भोसले के गीत सदैव प्रेरणा देते रहेंगे : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल, 12 अप्रैल. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संगीत जगत की अनुपम स्वर साधिका आशा भोसले के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि यह समाचार अत्यंत पीड़ादायक है और भारतीय संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है. शुक्ल ने कहा कि आशा भोंसले की अद्वितीय गायकी, भावपूर्ण स्वर और बहुमुखी प्रतिभा ने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई. उनकी आवाज ने अनगिनत पीढ़ियों के हृदय में स्थायी स्थान बनाया है और उनके गीत सदैव प्रेरणा देते रहेंगे. उन्होंने कहा कि उनका निधन केवल एक महान कलाकार का नहीं, बल्कि एक युग के अंत के समान है. संगीत जगत में उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी.

पेज एक का शेष

खामोश हुई आशा की आवाज

अंतिम संस्कार शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा.

12,000 से ज्यादा गाने गाए: आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए. उनके गाने इन आंखों की मस्ती, दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा और चुरा लिया है तुमने आज भी लोकप्रिय हैं. आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं. जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी.

बहनों का मोहन भैया हर सुख- दु:ख में उनके साथ

इनमें सड़क निर्माण, शासकीय स्कूल भवन, पुलिस आवास, छात्रावास, थाना भवन, 54 सामुदायिक भवन, पेयजल योजना और आरसीसी नाला निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं. मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि लाड़ली बहना योजना का लगातार विरोध किया गया, जबकि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है. उन्होंने बताया कि अब तक इस योजना के तहत करीब 55 हजार करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं. इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा सौंपे गए मांग पत्र की सभी प्रमुख मांगों को भी मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दी.

लाखों किसान डिफॉल्टर घोषित होने की कगार पर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्य में कृषि संकट का लगाया आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल, 12 अप्रैल. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में गहराते कृषि संकट पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि लाखों किसान डिफॉल्टर घोषित होने की कगार पर हैं.

मुख्यमंत्री को लिखे एक कड़े पत्र में उन्होंने प्रशासनिक अक्षमता और कथित किसान-विरोधी नीतियों को किसानों के कर्ज के जाल में फंसने के लिए जिम्मेदार ठहराया. पटवारी ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश के 55 जिलों में लगभग 6.20 लाख किसान निर्धारित समय सीमा में अपनी फसल ऋण

पटवारी ने मुख्यमंत्री को लिखा सख्त पत्र

राशि चुकाने में असफल रहे हैं, जिन पर करीब 450 करोड़ रुपये बकाया है. उन्होंने बताया कि प्रभावित किसानों में लगभग 80 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान हैं, जिन्हें समय पर राहत नहीं मिलने पर भविष्य में ऋण सुविधा से वंचित होना पड़ सकता है.

उन्होंने कहा कि यह संकट प्राकृतिक कारणों से नहीं बल्कि नीतिगत विफलताओं का परिणाम है. पटवारी के अनुसार इस वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद में लगभग 20 दिन की देरी हुई, जिससे किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिल सका और वे ऋण चुकाने में असमर्थ रहे.

> पिछले वर्ष किए गए वादों का उल्लेख करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने ठोस कार्रवाई के बजाय केवल आश्वासन दिए, जबकि ऋण अदायगी की समय सीमा बढ़ाने का वादा भी पूरा नहीं हुआ. पटवारी ने ऋण चुकाने की समय सीमा बढ़ाने, दंडात्मक ब्याज माफ करने, पारदर्शी एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने तथा छोटे किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग की. उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी होने पर व्यापक किसान आंदोलन हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी.

डॉक्टर ब्लैकमेलिंग कांड से जुड़ा आरोपी 50 लाख की जमीन धोखाधड़ी में घिरा

देवास. चर्चित डॉक्टर ब्लैकमेलिंग कांड में फंसे राजेश धनेचा की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. शहर कोतवाली पुलिस ने फरियादी रवि दायमा की शिकायत पर राजेश धनेचा और महेंद्र पटेल के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है.

फरियादी रवि दायमा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि आरोपी राजेश धनेचा निवासी बजरंग नगर देवास और महेंद्र पटेल निवासी ग्राम मेंढकीचक ने जमीन बेचने के नाम पर उनसे करीब 50 लाख रुपये ले लिए. आरोपियों ने जमीन क्रय करने का अनुबंध किया, लेकिन बाद में वही जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी गई. दायमा के अनुसार, जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने किश्तों में 26 लाख 5 हजार रुपये लौटा दिए, लेकिन अभी

भी 23 लाख 95 हजार रुपये बाकी हैं. शेष राशि मांगने पर आरोपियों द्वारा गाली-गलौज, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है. इस मामले में कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 406 और 34 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

एआई चुनौती | 57 प्रतिशत युवा भावनात्मक जरूरतों के लिए कर रहे एआई का इस्तेमाल

88% छात्र घबराहट महसूस होने पर लेते हैं एआई से सलाह

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 12 अप्रैल. देश के सभी राज्यों समेत अब मध्यप्रदेश में भी एक खामोश डिजिटल क्रांति हो रही है. जिसमें युवा अपनी संवेदनशील बातों से लेकर दिनचर्या, स्वास्थ्य की समस्या और स्ट्रेस जैसी बातों को किसी इंसान से नहीं बल्कि एक चैटबॉट से कर रहे हैं.

ऐसी बातें जिन्हें वे अपने माता-पिता या दोस्तों से भी कहने में कतराते हैं. साथ ही तनाव और स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों के लिये भी एआई की बताई गई दवा और ट्रीटमेंट कर रहे हैं. हालांकि विशेषज्ञ स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के लिये एआई की दी गई सलाह को अपनाने के बिल्कुल विपरीत हैं. वहीं यूथ पल्स की कुछ समय पहले जारी रिपोर्ट में किए गए दावे के तहत भारत के करीब 57 प्रतिशत युवा अपनी भावनात्मक जरूरतों के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं. तो 13 से 18 वर्ष की आयु के 88 प्रतिशत छात्र तनाव या घबराहट महसूस होने पर एआई टूल्स से सलाह लेते हैं.

क्यों है एआई युवाओं की पसंद

48% युवाओ को लगता है एआई उन्हें जज नहीं करता.
42% युवाओं के लिये इसकी 24 घंटे उपलब्धता बड़ी राहत है.
43% युवा रात में अपनी बेचैनी साझा करते हैं जब उनके पास कोई विकल्प नहीं होता.

राजधानी के जेपी जिला अस्पताल में आए कुछ केस

केस 1 : एक बच्चा जिसकी उम्र 18 से कम थी, वह 15 घंटे एआई से बात करता था. डॉक्टर के पास आने पर उसने बताया कि वह अकेलापन महसूस करता है. इसलिये एआई से बात करता है.

केस 2 : एक लड़की ने एआई की मदद से 'एनिमे' की दुनिया से प्रभावित एक कैरेक्टर के हाव भाव और उसकी आदतों को जानकर खुद को उसमें ढाल लिया. जिसके बाद वो उसकी तरह ही बर्ताव करने लगी.

यूनिसेफ की रिपोर्ट...

यूनिसेफ की हाल ही में जारी रिपोर्ट 'रिस्पॉन्सिबल एआई फॉर चिल्ड्रन' में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और एआई के प्रभाव को लेकर एक विस्तृत विश्लेषण में बताया गया है 13 से 17 साल के बच्चों में अकेलेपन को दूर करने के लिए एआई का उपयोग पिछले 2 वर्षों में 40 प्रतिशत बढ़ा है. रिपोर्ट के अनुसार, 35 प्रतिशत बच्चे नींद न आने की समस्या, डाइट प्लान और फिजिकल हेल्थ के लिए सीधे एआई चैट बॉट से टिप्स ले रहे हैं. तो 52 प्रतिशत युवा लड़कियां अपनी पर्सनल लाइफ की समस्याओं के लिए एआई को सबसे सुरक्षित मानती हैं.

एआई पर निर्भर होना ठीक नहीं : एआई विशेषज्ञ

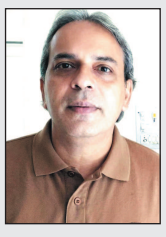

एआई या मोबाइल के इस्तेमाल से मानव शरीर से डोपामीन निकलता है. जिससे लोगों को खुशी महशूस होती है. कम समय के लिये स्ट्रेस कम करने को एआई से मदद मिलती है, लेकिन लंबे समय के लिये यह नुकसानदायक है.

-डॉ राहुल शर्मा,
क्लिनिकल मनोचिकित्सक, जेपी अस्पताल

एआई को एक असिस्टेंट के रूप मे उपयोग करते हुये पढ़ाई, कैरियर सहित तनाव और स्वास्थ्य संबंधित जानकारी ले सकते हैं लेकिन उसकी बताई बातों को उसी तरह मान लेना और उस पर ही निर्भर होना ठीक नहीं है.

-डॉ राजेश कुमार दीक्षित,
एआई विशेषज्ञ, निटर, भोपाल

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60